भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1309
14/12/2023 को उत्तर दिए जाने के लिए

तमिलनाडु के डेल्टा जिलों के आस पास अध्ययन करवाना

1309. श्री एस. कल्याणसुन्दरम:

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या केंद्र सरकार ने तमिलनाडु के डेल्टा जिलों के आस पास और डेल्टा जिलों के समुद्र तट पर कोई अध्ययन किया है;
(ख) यदि हां, तो ऐसे अध्ययनों की रिपोर्ट का ब्यौरा क्या है; और
(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
पृथ्वी विज्ञान मंत्री
(श्री किरेन रीजीजू)

(क) – (ख) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के संबद्ध कार्यालय राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केन्द्र (NCCR) ने तमिलनाडु के प्रमुख डेल्टा जैसे कि पालार डेल्टा, पोनियार डेल्टा, कॉवेरी डेल्टा, वेल्लर डेल्टा, वैजई डेल्टा, तथा कुड्डालोर, नागापट्टिनम, थिरुवरूर, तंजावुर एवं पुडुकोट्टई नामक प्रमुख डेल्टा जिलों में जलवायु परिवर्तन के कारण तटीय अपक्षरण एवं बाढ़ के संबंध में सुभेद्यशीलता अध्ययन किया है। डेल्टा जिलों को कवर करने वाली उल्लिखित सूचना वाली दो रिपोर्ट उपलब्ध हैं।

(i) **तमिलनाडु तट के लिए तटरेखा एटलस:** तमिलनाडु के डेल्टा जिलों के लिए, वर्ष 1990 से 2018 के रिमोट सेंसिंग डेटा का प्रयोग करते हुए, तटरेखा परिवर्तन एटलस तैयार की गई है। इसके निष्कर्षों में पाया गया है कि लगभग 43 प्रतिशत तटरेखा में अपक्षरण हो रहा है, जबकि 22% तटरेखा की अभिवृद्धि हो रही है, वहीं 34 प्रतिशत तटरेखा स्थिर है। डेल्टा जिला वार विवरण नीचे तालिका में दिया गया है।

तटरेखा परिवर्तन (1990-2018) - तमिलनाडु तट के डेल्टा जिला				
जिला	**तटीय लंबाई (किमी)**	**क्षरण (%)**	**स्थिर (%)**	**अभिवृद्धि (%)**
कुड्डालोर	43.35	41.0	21.1	38.0
नागपट्टिनम	125.65	48.1	12.7	39.2
तिरुवरुर	24.39	62.9	24.8	12.3
तंजावुरी	52.36	33.4	39.2	27.5
पुडुकोट्टई	46.74	46.0	41.9	12.1

(ii) **तमिलनाडु का कोस्टल इनंडेशन रिस्क एटलस (CIRA):** राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केन्द्र (NCCR) ने डेल्टा जिलों के लिए कोस्टल इनंडेशन रिस्क एटलस (CIRA) तैयार किया गया है, तथा जलवायु परिवर्तन के कारण प्रभावित होने की संभावना वाले क्षेत्रों का भी मैप किया गया है।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

*****